



भारत सरकार

Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare



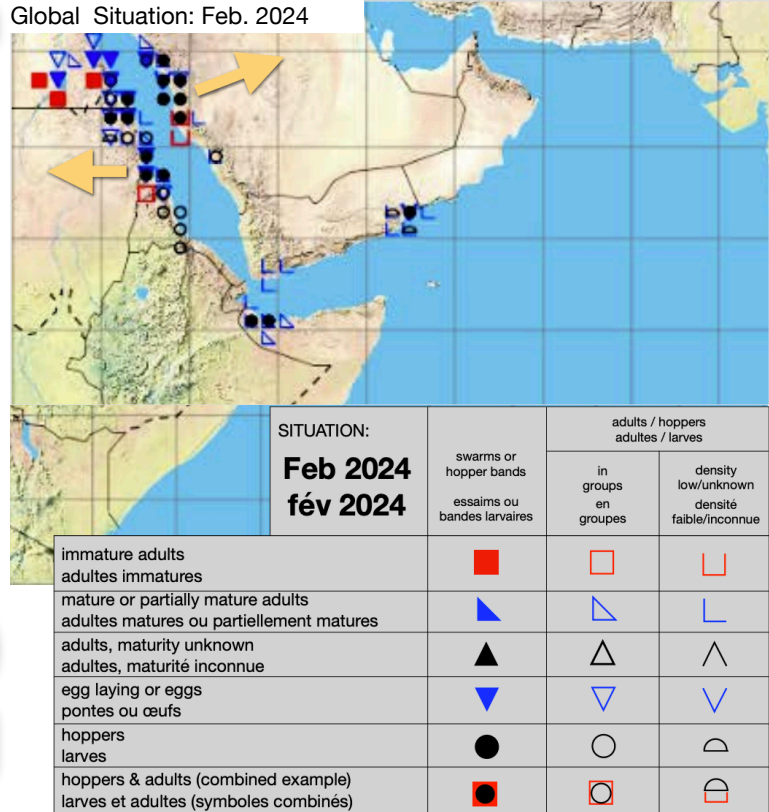
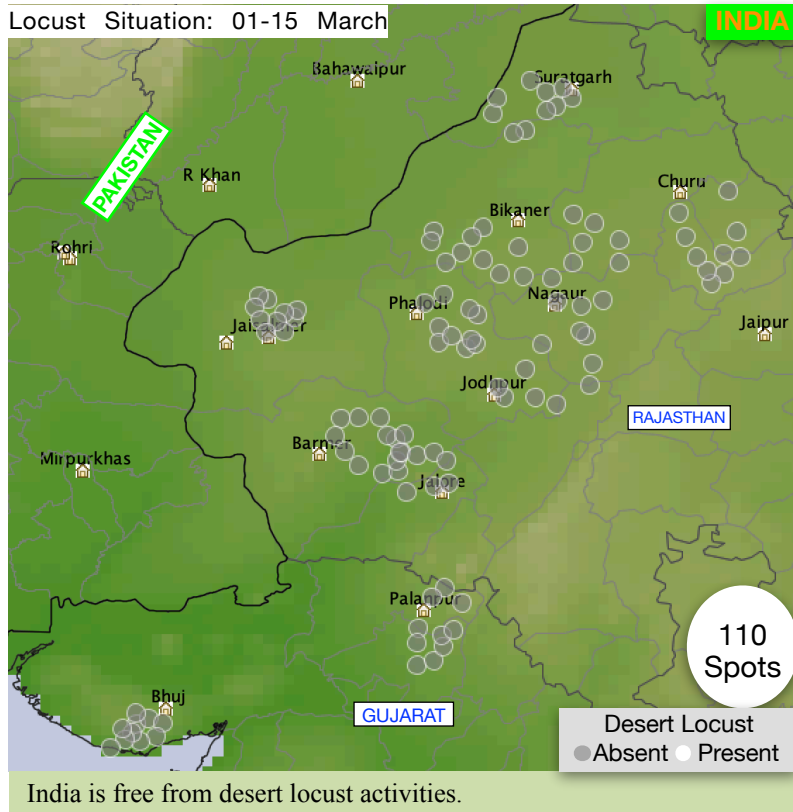
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024 / No. 05

अवधि / Period 01-15 March 2024

LOCUST SITUATION : During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the **1st fortnight of March 2024**. Total **110** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

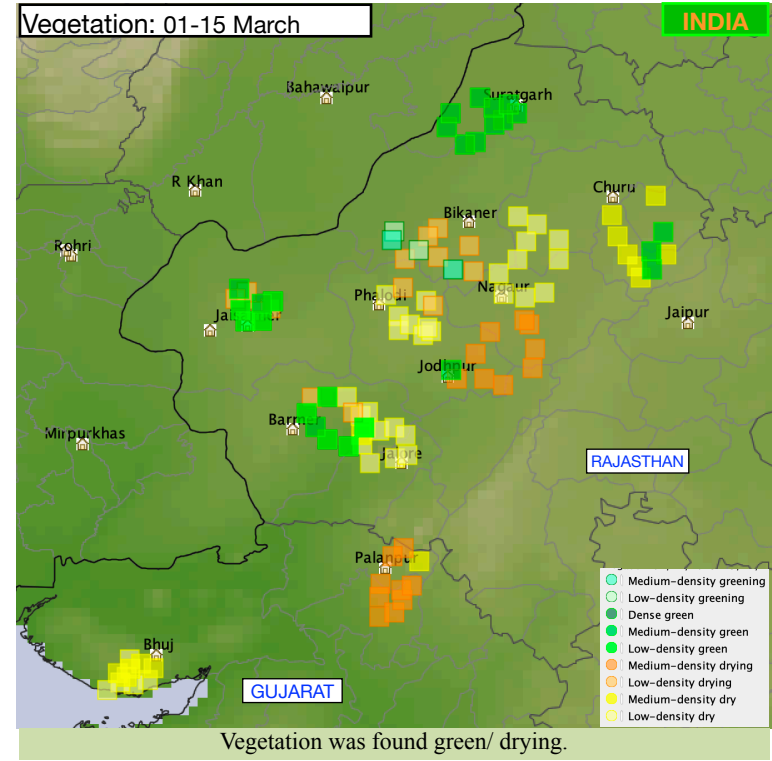
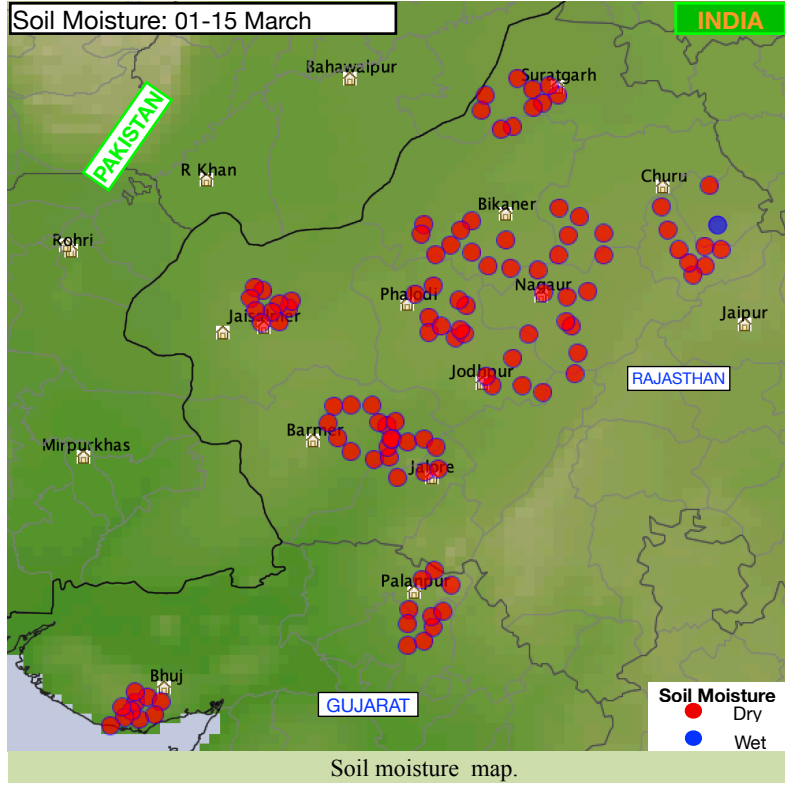
टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **मार्च 2024 के प्रथम पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल **110** स्थानों का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।



Swarm movement : Nil
 Breeding : Nil
 Hoppers : Nil
 Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults : Nil

WEATHER AND ECOLOGY : During the locust survey soil moisture was found dry at most of the survey locations, one spot of **Churu** found wet due to rain. Vegetation was found dry in the Scheduled Desert Area, except few spots of **Barmer, Jaisalmer, Bikaner, Suratgarh and Churu**. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.

मौसम एवं परिस्थितिकी : टिड्डी सर्वेक्षण के दौरान अधिकांश सर्वेक्षण स्थानों पर मिट्टी की नमी सूखी पाई गई, **चूरु** के एक स्थान पर बारिश के कारण नमी पाई गई। अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में **बाडमेर, जैसलमेर, बीकानेर, सुरतगढ़ तथा चूरु** के कुछ स्थानों को छोड़कर वनस्पति शुष्क पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया गया है।



FAO Update (02 March): In the Central Region during January, five Desert Locust outbreaks along the coast of the Red Sea and Gulf of Aden. First winter generation continued with hopper groups, bands, adult groups, and small swarms that were treated by Aerial control done in Sudan and Ethiopia while Somalia used only bio pesticides. Adult groups copulated on the southeast coast of Yaman. The weather models indicate that locusts are likely to decrease because of control operations, diminished rainfall, and drying vegetation in March. In Western Regions light rainfall may allow spring breeding to start on a small scale in Algeria and Morocco.

एफ. ए. ओ. अपडेट (02 मार्च): जनवरी के दौरान मध्य क्षेत्र में, लाल सागर और अदन की खाड़ी के तट पर रेगिस्तानी टिड्डियों के पाँच आक्रमण हुए। पहली शीतकालीन पीढ़ी हॉपर समूहों, बैंडों, वयस्क समूहों और छोटे झुंडों के साथ जारी रही जिनका नियंत्रण सूडान और इथियोपिया में हवाई नियंत्रण द्वारा किया गया जबकि सोमालिया में केवल जैव कीटनाशकों का उपयोग किया गया। यमन के दक्षिण-पूर्वी तट पर वयस्क समूहों ने मैथुन किया। मौसम मॉडल से संकेत मिलता है कि मार्च में नियंत्रण कार्यों, कम वर्षा और सूखने वाली वनस्पति के कारण टिड्डियों में कमी आने की संभावना है। पश्चिमी क्षेत्रों में हल्की वर्षा से अल्जीरिया और मोरक्को में छोटे पैमाने पर वसंत प्रजनन शुरू हो सकता है।

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

Forecast (India): Ecological conditions are not favourable for locust breeding in the Scheduled Desert Area, Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, any locust activity is not expected upto the next fortnight.

पूर्वानुमान (भारत): अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में टिड्डियों के प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं, इसके अलावा सर्वेक्षण के दौरान कोई टिड्डी नहीं देखी गई अतः आने वाले पखवाड़े में किसी प्रकार की टिड्डी की गतिविधियों की उम्मीद नहीं की जाती हैं।

